पाठ 23. भारत-दर्शन

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को भारत-भ्रमण करवाना है। इस पाठ द्वारा बच्चे भारत की चारों दिशाओं में बसे सौंदर्य का दर्शन कर पाएँगे तथा भारत की भिन्न-भिन्न संस्कृति को समझ पाएँगे। इस पाठ से बच्चे जान पाएँगे कि भारत की संस्कृति भिन्न होते हुए भी एकता की डोर से बँधी हुई है।

पाठ का सारांश

विविधताओं वाले देश हिंदुस्तान की सैर कराते समय हम आपको तेजपुर, अनंतगिरि, शीतलाखेत तथा डांडेली की यात्रा पर ले चलेंगे। तेजपुर को असम की सांस्कृतिक नगरी के रूप में जाना जाता है। तेजपुर के आस-पास कई दर्शनीय स्थल हैं जिनमें हज़ारा पुखुरी, चित्रलेखा उद्यान तथा काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख हैं। अनंतगिरि तिरुमाला पर्वत पर बसा हुआ खूबसूरत पहाड़ी स्थल है। यहाँ कॉफ़ी के बागान और आम के बगीचे देखे जा सकते हैं। यहाँ और भी कई दर्शनीय स्थल हैं। शीतलाखेत विभिन्न प्रकार के फल-फूल, औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों से भरा पड़ा है। यह एक बहुत ही अच्छा पिकनिक स्थल है। डांडेली कर्नाटक में स्थित एक छोटा-सा शहर है। यहाँ आने वाले लोग 'डांडेली वन्य-जीव अभयारण्य' में घूमना पसंद करते हैं। यहाँ कई दर्शनीय स्थल तथा मंदिर भी हैं।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें एवं पाठ को अलग-अलग अंशों में बाँटकर बच्चों से वाचन कराएँ। उनके उच्चारण को शुद्ध करें। वाचन के दौरान पाठ से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न बच्चों से पूछते रहें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें कि क्या वे किसी पर्वतीय स्थल या अपने शहर से दूर कहीं घूमने गए हैं। वहाँ उन्होंने क्या-क्या देखा? उनका अनुभव सुनें।
- पाठ में आए स्थानों के नाम बच्चों को मानचित्र में दिखाएँ। इससे उनके सामान्य ज्ञान की वृद्धि होगी।
- बच्चों को पर्यटन का महत्व बताएँ। भारत की संस्कृति एवं प्राकृतिक सुंदरता को जानने-समझने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।